बृहस्पतिवार
01 फरवरी 2024

पृष्ठ 4

क्या आपको भी लगती है ज्यादा ठंड!

पृष्ठ 5

तेजस्वी प्रकाश ने कैमरे के सामने दिए किलर पोज

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 09
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जो पुरुषार्थ नहीं करते उन्हें धन, मित्र, ऐश्वर्य, सुख, स्वास्थ्य, शांति और संतोष प्राप्त नहीं होते।

– वेदव्यास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

बजट में कोई नया कर नहीं, न ही किसी को कोई राहत

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आज संसद के संयुक्त सत्र में वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट पेश किया गया। खास बात यह रही कि वित्त मंत्री ने अपने 58 मिनट के बजट भाषण का अधिकांश समय केंद्र सरकार की 10 सालों की उपलब्धियों को गिनाना ही रहा। केंद्र सरकार के 2047 तक विकसित भारत के विजन को सामने रखते हुए उन्होंने अपने इस अंतरिम बजट में न तो किसी नए प्रत्यक्ष या परोक्ष कर लगाने की कोई घोषणा की गई और न आयकर के स्लैब में कोई

बदलाव किया। हां 7 लाख रुपए तक की सालाना आय वाले लोगों को टैक्स पेयर की लिस्ट से बाहर रखने की बात जरूर की गई है। वही राजकोषीय घाटे को घटाकर 4.5 फीसदी तक लाने की बात कहते हुए जीडीपी विकास दर को 5.8 फीसदी करने की संभावना जताई गई है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के इस बजट में किसी के लिए भी कोई रियायत की घोषणा नहीं की गई है सिर्फ केंद्रीय वित्त पोषित योजनाओं के विस्तारीकरण का खाका ही खींचा गया

❑7 लाख कमाने वाले टैक्स के दायरे से बाहर
❑टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं, जस के तस
❑सरकार गरीबों को देगी दो करोड़ नए घर बनाकर

है। केंद्र सरकार की लखपति दीदी योजना के तहत एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य हासिल करने के बाद इसे 3 करोड़ तक ले जाने की बात कही गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2 करोड नए घर बनाए जाने और तीन नये रेलवे कॉरिडोर बनाए जाने की योजना के साथ ही इंफ्रास्ट्रेक्चर विकास के लिए 11.11 लाख करोड़ का बजट खर्च करने की बात कही गई है जिससे देश में सड़क, रेल मार्ग व हवाई सेवाओं का विस्तार होगा।

केन्द्रीय वित्त मंत्री द्वारा कॉरपोरेट जगत के लिए एक बड़ी घोषणा करते हुए उनके टैक्स को 30 प्रतिशत से घटाकर 22 फीसदी करने का प्रस्ताव अपने बजट में जरूर लाया गया है। किसानो की सम्मान निधि से लेकर अन्य किसी भी तरह की मुफ्त की रेवड़ियां बजट में नहीं बाटी ◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

सड़क दुर्घटनाओं में तीन की मौत, ग्यारह घायल

हमारे संवाददाता

देहरादून। डोईवाला कोतवाली क्षेत्र में देर रात हुई अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में जहां तीन लोगों की मौत हो गयी वहीं 11 लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मृतकों का शव कब्जे में लेकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार बीती रात सड़क दुर्घटना का पहला मामला कुड़कावाला पुल पर सामने आया है। बताया जा रहा है कि बीती रात बुल्लावाला स्थित हरिजन मोहल्ले में जितेन्द्र नामक व्यक्ति के घर में जन्मदिन का उत्सव मनाया जा रहा था। जिनके यहां कुछ मेहमान आये हुए थे। जब वह मेहमान कार द्वारा वापस जा रहे थे तो इस दौरान रात लगभग एक बजे उनकी कार कुड़कावाला पुल के समीप अनियंत्रित होकर पलट गयी। जिसमें विकास पुत्र समय सिंह निवासी बुल्ला वाला, सागर पुत्र सुंदर सिंह निवासी बुल्ला वाला, आदित्य पुत्र नामालूम निवासी बुलावाला, अभय पुत्र ना मालूम, यश पुत्र भूपेंद्र निवासी भाउवाला प्रेमनगर व ऋषभ

पुत्र बाबूराम निवासी भाउवाला प्रेमनगर सवार थे। जिनमें से यश पुत्र भूपेंद्र निवासी भाउवाला थाना प्रेम नगर देहरादून व ऋषभ पुत्र बाबूराम निवासी भाउवाला की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि अन्य चार लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतकों का शव कब्जे में लेकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां उनका उपचार जारी है।

सड़क दुर्घटना का दूसरा मामला रात लगभग दो बजे डोईवाला क्षेत्रांतर्गत लाल तप्पड़ में सामने आया है। यहां एक इनोवा कार चालक को अचानक झपकी(नींद) लगने के कारण कार लालतप्पड़ के पास बैरियर से टकराकर पलट गई, कार में सात व्यक्ति सवार थे, डोईवाला ◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

आंगन में खेल रहे चार वर्षीय मासूम पर गुलदार ने किया हमला, घायल

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। घर के आंगन में खेल रहे एक चार वर्षीय मासूम पर देर शाम एक गुलदार ने हमला कर दिया। हालांकि चीख पुकार होने पर गुलदार भाग निकला वहीं बालक को अस्पताल भेजा गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार बच्छणस्यूं क्षेत्र के खल्यां गांव में बीती शाम करीब 6.30 बजे अपने घर के आंगन में खेल रहे 4 वर्षीय बालक आदर्श राणा पुत्र त्रिलोक राणा पर घात लगाए बैठे गुलदार ने अचानक हमला कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा शोर किए जाने पर गुलदार भाग खड़ा हुआ परंतु इस घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। मामले की जानकारी देते हुए सदस्य जिला पंचायत नरेंद्र बिष्ट ने बताया कि उक्त बालक को घायल अवस्था में जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग में लाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा उसका ईलाज किया गया तथा प्राथमिक उपचार के बाद बालक को छुट्टी दे दी गई। मामले में ग्रामीणों द्वारा यह मांग की गई है कि वन विभाग द्वारा गुलदार को पकड़ने हेतू पिंजरा लगाया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो।

31 साल बाद ज्ञानवापी परिसर में पूजा-अर्चना शुरू

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में 31 साल बाद पूजा-अर्चना हो रही है। गुरुवार (1 फरवरी) सुबह लोग पूजा करने के लिए तहखाने में पहुंचे हैं। वाराणसी की जिला अदालत से बुधवार (31 जनवरी) को हिंदू पक्ष को बड़ी राहत मिली, जब कोर्ट ने परिसर में मौजूद तहखाने में हिंदुओं को पूजा-पाठ करने का अधिकार देने का आदेश दिया। हिंदुओं को ज्ञानवापी के व्यास जी के तहखाने में पूजा-पाठ करने का अधिकार मिला है। अदालत ने वाराणसी के जिला मजिस्ट्रेट को हिंदू पक्ष और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा नामित एक पुजारी के जरिए की जाने वाली पूजा की

व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

17 जनवरी को वाराणसी जिला अदालत ने जिला मजिस्ट्रेट को रिसीवर नियुक्त करते हुए उन्हें तहखाने को सुरक्षित रखने और इसमें कोई बदलाव न करने का निर्देश दिया। 24 जनवरी को अपर जिलाधिकारी प्रकाश चंद्र के नेतृत्व में जिला प्रशासन की टीम ने डीएम को तहखाने का रिसीवर बनाकर उसे अपनी कस्टडी में लेने के संबंध में कार्यवाही पूरी की। ज्ञानवापी मामले में कोर्ट के जरिए हिंदू पक्ष को व्यास का तहखानाश में पूजा करने की अनुमति देने पर वाराणसी के डीएम एस राजलिंगम ने मीडिया से बात की। उनसे वजूखाने के समक्ष विराजमान नंदी महाराज के सामने लगी बैरीकेडिंग को हटाकर रास्ता खोलने को लेकर सवाल किया गया।

इस पर उन्होंने कहा, न्यायालय के आदेश का पालन किया गया है। वर्तमान में ज्ञानवापी परिसर के आसपास सुरक्षा को भी कड़ा कर दिया गया है। पूजा की इजाजत मिलने के बाद परिसर के मौजूद एक श्रद्धालु ने कहा, हम कोर्ट के आदेश से बेहद खुश और भावुक हैं। हमारी खुशी की कोई सीमा नहीं है।

दून वैली मेल

संपादकीय

युवा और महिलाओं पर फोकस

बात चाहे बजट की हो या फिर यूसीसी की भाजपा का पूरा फोकस युवाओं और महिलाओं पर केंद्रित है। कल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने बजट सत्रीय अभी भाषण में जो कुछ कहा इसका निष्कर्ष भी यही था और उत्तराखंड की पहली महिला मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताएं गिनवाते हुए यूसीसी को लागू करने की जो बात कही है उसका भी अर्थ यही है। केंद्र की भाजपा सरकार जो अब अपने कार्यकाल के 10 साल पूरे करने जा रही है। परीक्षा में गड़बड़ी रोकने के लिए सख्त कानून बनाने की बात कह रही है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कल अपने अभीभाषण में जिस तरह के सख्त कानून की बात कही है उसमें 10 साल की सजा और एक करोड़ तक के जुर्माने की व्यवस्था की बात है। सवाल यह है कि भाजपा की केंद्र सरकार ने अपने कार्यकाल के 10 सालों में ऐसा सख्त कानून क्यों नहीं लाया गया? अब 2024 का चुनाव आते ही उसे परीक्षा में नकल रोकने के लिए कानून की बात क्यों याद आ रही है? भर्ती परीक्षाओं में होने वाली धांधली और भर्ती परीक्षाओं को रद्द होने का तमाशा सरकार खामोशी से क्यों देखती रही? 2 करोड़ हर साल युवाओं को रोजगार देने का वादा करने वाली भाजपा सरकार को इन युवाओं के भविष्य का कभी ख्याल नहीं आया क्यों बीजेपी के नेता इन युवाओं को पकौड़ी तलने और चाय बेचने को भी रोजगार बताकर उनके जख्मों पर नमक छिड़कते रहे। बीते एक साल से देश भर में जो रोजगार मेले लगाकर प्रधानमंत्री मोदी और उनके मुख्यमंत्री जो नियुक्ति पत्र बांटने का काम कर रहे हैं उसकी जरूरत क्यों पड़ी? यह सभी सवाल उन युवाओं के मन को जरूर मथ रहे हैं जो नौकरी के इंतजार में आयु सीमा पार कर चुके हैं। जिस यूसीसी को प्रदेश और देश भर में अब आनन-फानन में लाने की पुरजोर कोशिशे की जा रही है उसका मसौदा अभी भले ही सार्वजनिक न हुआ हो लेकिन इसका जो ड्राफ्ट तैयार किया गया है उसमें सर्वोच्च प्राथमिकता पर अगर किसी मुद्दे को रखा गया है तो वह महिलाओं के सशक्तिकरण का ही है। इस बात को बीते कल अपना कार्यभार संभालने वाली राज्य की पहली महिला मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने भी कही है कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता यूसीसी को लागू कराना है। जिससे कि महिलाओं का सशक्तिकरण हो सके। अभी देश के नये संसद भवन की नई इमारत में केंद्र सरकार द्वारा अपना बिल महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण पर ही लाया गया था। यह बात अलग है कि अभी इसे लागू होने में कितने वर्ष लगेंगे लेकिन भाजपा द्वारा महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण सरकार की उपलब्धियां में तीन तलाक की तरह ही शामिल हो गया है। यूसीसी में बहुत कुछ ऐसा होगा जो महिलाओं को बराबरी के अधिकार देने वाला होगा भाजपा को पता है कि जिसे आधी आबादी कहा जाता है उन महिलाओं और युवाओं की ताकत क्या है यही कारण है कि 2024 से पहले अब देश में राम मंदिर के बाद अगर किसी की चर्चा हो रही है तो वह महिलाएं और देश के युवा ही हैं।

गौतम खो चुके है अपने सोचने समझने की शक्तिः गरिमा

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रभारी दुष्यंत गौतम द्वारा इंडिया गठबंधन को अपशब्द कहे जाने पर उत्तराखंड कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। दसौनी ने गौतम को आड़े हाथों लेते हुए कहा की गौतम सत्ता के अहंकार और चकाचौंध में अपनी सोचने समझने की शक्ति खो बैठे हैं। दसौनी ने कहा कि लोकसभा चुनाव प्रभारी ही क्या इस वक्त हर भाजपाई विवेकहीन हो चुका है ,भगवान राम की बात करने वाले लोग मर्यादा पुरुषोत्तम के भक्त कहलाने लायक भी नहीं है।

गरिमा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के बड़बोलेपन और बदजुबानी के किस्से दूर दूर तक विख्यात है ही लेकिन हाल ही में दिया गया भू

कानून और मूल निवास के लिए आवाज बुलंद करने वाले लोगों को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट द्वारा माओवादी कहा जाना और आज लोकसभा चुनाव प्रभारी गौतम द्वारा इंडिया गठबंधन के लोगों को अपशब्द कहा जाना बतलाता है कि यह यह किस संस्कृति और सभ्यता के लोग हैं? दसौनी ने कहा कि आज लोकतंत्र के लिए बहुत ही बुरा दौर चल रहा है, देश के अंदर घटिया परंपरा और परिपाटी देखने को मिल रही है जहां सत्तारूढ़ दल कुछ भी करके विपक्ष को खत्म कर देने पर तुला है। दसौनी ने कहा कि इसे विडंबना कहें या संयोग कि आज देश का कोई प्रदेश ऐसा नहीं है जहां विपक्ष के किसी शक्तिशाली नेता के पीछे ई डी, इनकम टैक्स या सीबीआई का शिकंजा न हो, उन्होने कहा कि भोली भाली जनता को यह महसूस कराया जा रहा है कि सारे पापी, अधर्मी और भ्रष्टाचारी विपक्ष में हैं और सारे भाजपा के पदाधिकारी संत-महात्मा पुरुष हैं। दसौनी ने कहा अब तो यह देशवासियों को फैसला करना है कि उन्हें लोकतंत्र से प्यार है या तानाशाही से, क्योंकि जिस तरह की बदजुबानी भाजपा के नेता विपक्षी दलों के लिए कर रहे हैं वह तो यही बताता है कि उनके मंसूबे ठीक नहीं है और वह इस देश से लोकतंत्र और संविधान मिटा कर छोड़ेंगे।

टी-स्टेट के सीसीटीवी कैमरे तोडने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। टी-स्टेट के सीसीटीवी कैमरे तोडने पर पुलिस ने एक ही परिवार के तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टी स्टेट आरकेडिया व हरबंशवाला के प्रबंधक नीरज शर्मा ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 30 जनवरी 24 को रात्रि में किसी समय टी एस्टेट की बनियावाला स्थित क्वार्टर नम्बर एक में रहने वाले अमन पुत्र श्याम, श्याम पुत्र अज्ञात तथा विमला पुत्री स्व. धनपतिया पत्नी श्याम द्वारा एक षडंयत्र के अन्तर्गत बनियावाला चौक पर लगे हुए टी एस्टेट कैमरे क्षतिग्रस्त कर खुर्द-बुर्द कर दिये। इससे पूर्व भी उपरोक्त के द्वारा चाय बागान कम्पनी के कैमरे तोड़कर क्षतिग्रस्त किये जा चुके है। आज जब कम्पनी के कर्मचारी 10 बजे दिन में कैमरे तोड़ने के बाबत पूछने गये तो उपरोक्त लोगो द्वारा गन्दी गालिया देकर कम्पनी के कर्मचारी व सिक्योरिटी गार्डो के साथ मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

धोलेश्वर महादेव मंदिर के 31वें स्थापना दिवस पर की गई विशेष पूजा अर्चना

संवाददाता

देहरादून। श्री धोलेश्वर महादेव मंदिर के 31वें स्थापना दिवस पर पूर्ण विधि विधान के साथ विशेष पूजा अर्चना की गयी।

आज यहां श्री धोलेश्वर महादेव मंदिर ग्राम धोलास का 31वां स्थापना दिवस पूर्ण विधि विधान के साथ विशेष पूजा अर्चना और रुद्राभिषेक , यज्ञ, विशेष आरती और प्रसाद वितरण के साथ हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया, श्री धोलेश्वर महादेव मंदिर के संस्थापक आचार्य डा. बिपिन जोशी ने अपने संदेश में आज मंदिर स्थापना के दिन बारिश होने को शुभ बताते हुए शिव का अर्थ ही कल्याणकारी है। भगवान शिव देवाधिदेव महादेव हैं, पंच देवताओं में प्रधान हैं ऋषि मुनि, देवता, किन्नर, राक्षस सभी उनका सम्मान करते हैं, सबको खजाने बांटते हैं स्वयं श्मशान में रहते हैं।

पूजा, अर्चना, यज्ञ आदि सुप्रसिद्ध कथा ब्यास आचार्य खीमानंद भट्ट ने की और शिव पूजन को सभी पूजनो में सर्वश्रेष्ठ बताते हुए कहा शिव लिंग में जहां एक ओर सभी देवी देवताओं की पूजा अर्चना की जा सकती है वही स्त्री पुरुष ही नहीं सभी जाति वर्णों के लोग अनादि काल से सामुहिक रूप से शिव पूजन करते आए हैं, यह हमारी समृद्ध संस्कृति और वैभवशाली अतीत और वर्तमान का सर्वोत्तम उदाहरण है। इस अवसर पर डा मथुरा दत्त जोशी, भगवती जोशी, गीता जोशी, आचार्य दीपक कुकरेती, बिमला जोशी, सुमन जोशी, योग शिक्षक विनय कुमार आदि उपस्थित रहे।

रास्ता रोकर मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

संवाददाता

देहरादून। रास्ता रोककर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बद्रीनाथ कालोनी नेशविला रोड निवासी करन जॉन ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 29 जनवरी को रात्रि दो बजे के मध्य जब वह पारिवारिक विवाह समारोह से अपने घर बद्रीनाथ कालोनी, देहरादून आ रहे थे तो वहां पर पहले से मौजूद बीच सड़क पर टिल्लु व उधम पुत्र राजू नाम के दो व्यक्ति खडे थे, उन्होने अचानक उसके ऊपर व उसकी माता रोजलीन व बहन अंकिता के साथ मारपीट करने लगे और गन्दी-गन्दी गालियां देने ले। शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग व उधम की पत्नी पूजा भी वहां आ गये और तीनों के साथ मारपीट करने लगी। इसी बीच टिल्लू व उधम ने उसके सिर पर धारदार हथियार से वार कर दिया व पूजा ने उसके सिर पर ईट मार दी, जिसमें उसके सिर पर 17 टांके आये। इस बीच-बचाव में उसके भाई (बुआ का लड़का) कृष्णा के हाथ में भी धारदार हथियार से वार कर दिया गया और पूजा के द्वारा उसके सिर पर ईट मारी, जिसमें उसके हाथ में 4 टांके व सिर में 4 टांके आये व गम्भीर रूप से घायल कर दिया गया। टिल्लू व उधम पहले से ही आपराधिक प्रवृत्ति के लोग है, जिस कारण उसके व उसके परिवार को उनसे जान व माल का खतरा बना हुआ है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

श्येनो न योनिं सदनं धिया कृतं हिरण्ययमासदं देव एषति।
ए रिणन्ति बर्हिषि प्रियं गिराश्वो न देवाँ अप्येति यज्ञियः।।
(ऋग्वेद ९-७१-६)

जिस प्रकार एक बाज अपने घोंसले में आराम से रहता है उसी प्रकार परमेश्वर का दिव्य प्रकाश हमारे अंदर सुनहरी हृदय गुहा में स्थित होता है। जब दिव्य गुणयुक्त विद्वान परमात्मा की स्तुति करते हैं तो उन्हें उसका साक्षात्कार होता है।

ग्राम समाज की भूमि को खुर्ब बुर्द करने के मामले में मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। ग्राम समाज की भूमि को खुर्द बुर्द करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उप निबंधक प्रथम विकासनगर अपूर्वा सिंह ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 18 जनवरी, 2024 में यह उल्लिखित है कि ग्राम कण्डौली के खाता में कतिपय बैनामे सम्पादित हुए है जबकि उक्त खाता ग्राम कण्डोली में न्यायालय अपर कलेक्टर, देहरादून द्वारा अपने वाद में भूमि को ग्राम सभा में दर्ज होने बाबत आदेश पारित किये गये है। तत्क्रम में उक्त सम्पत्ति में किसी भी बैनामा सम्पादित किया जाना उचित नहीं है। उक्त विषयक कार्यालय अभिलेखों में अनुसंधान के उपरान्त यह परिलक्षित हुआ कि खाता संख्या मौजा कण्डोली तहसील विकासनगर को ध्यान सिंह, बाबू सिंह. सुमेरचन्द एवं कश्मीरी लाल पुत्र स्व. अतरू सिंह निवासी दूधई पोस्ट कोटी तहसील विकासनगर जिला देहरादून (विक्रेतगण) व बाबूलाल की सहमति से मनोज कुमार पुत्र मोहन सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट पौंधा, तहसील विकासनगर, जिला देहरादून को विक्रित किया गया है तथा जिससे सम्बधित विलेख कार्यालय उपनिबंधक प्रथम, विकासनगर में विलेख में पक्षकारों द्वारा पंजीकृत कराया गया है। उपरोक्त विषयक समबन्ध में कार्यालय अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) / जिला निबंधक, देहरादून के द्वारा विषयान्तर्गत प्रकरण में जिला शासकीय अधिवक्ता (दीवानी) से विधिक राय प्राप्त करने हेतु निदेशित किया गया जिसके अनुक्रम में जिला शासकीय अधिवक्ता (दीवानी) के द्वारा उपलब्ध करायी गयी जिसके द्वारा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/जिला निबन्धक, देहरादून के आदेश 20 जनवरी 2024 के अनुपालन में संबंधित थाने में ध्यान सिंह, बाबु सिंह, सुगेर चन्द व श्री कश्मीरी लाल एवं बाबू लाल पुत्र बन्नू सिंह, मनोज कुमार पुत्र मोहन संह, ललित कुमार पुत्र बाबू लाल व राजन कुमार पुत्र कश्मीरी लाल के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया जाये। पुलिस ने ग्राम समाज की भूमि को खुर्द बुर्द करने का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जल्दी-जल्दी में खाना सेहत पर पड़ सकता है भारी

कई रिसर्च में यह बात साबित हो चुकी है कि जल्दबाजी में खाने से सेहत पर इसका खतरनाक असर पड़ता है। जल्दबाजी में खाना खाने से कई बीमारियां घेर लेती है। इसलिए अक्सर कहा जाता है कि चबा-चबाकर खाना चाहिए। आइए इस आर्टिकल के जरिए जानें जल्दबाजी में क्यों नहीं खाना चाहिए? मॉर्डन और भागदौड़ वाली लाइफस्टाइल के दौरान लोग अक्सर जल्दबाजी में खाना खा लेते हैं। जल्दी खाना खाने के कारण शरीर को कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। जल्दी-जल्दी ऑफिस जाने के चक्कर में लोग जल्दबाजी में खाना खा लेते हैं। लेकिन यह सेहत के लिए काफी ज्यादा खतरनाक होता है। दरअसल, लोगों को इस बात का बिल्कुल भी एहसास नहीं है कि जल्दबाजी में खाना खाने से बिना चबाए पेट में जाकर दिक्कत होती है। साथ ही खाना पचने में भी कठिनाई होती है जिसके कारण कई बीमारियां हो जाती है।

अपच की समस्या

जल्दबाजी में खाना खाने से मुंह में सलाइवा ठीक से काम नहीं करता है। जिसके कारण कार्ब्स ठीक से पच नहीं पाता है। जल्दी-जल्दी खाना खाने से अपच की शिकायत हो जाती है। पाचन में परेशानी होती है। इसलिए अच्छे से चबा-चबाकर खाना चाहिए।

डायबिटीज का खतरा

जो लोग जल्दबाजी में खाना खाते हैं उनका वजन तेजी से बढ़ता। मोटापे के कारण डायबिटीज का खतरा भी बढ़ता है। जिसके कारण टाइप-2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

मोटापे की समस्या

जल्दी-जल्दी खाना खाने से मोटापा बढने़ लगती है। खाने को कम चबाकर खाते हैं तो पेट ठीक से भरता नहीं है। ऐसी स्थिति में आपको तुरंत भूख लग जाती है। जिसके कारण वजन बढने़ लगता है। अक्सर कहा जाता है कि एक बाइट को कम से कम 15-32 बार चबाकर खाना चाहिए।

गले में फंस सकता है खाना

कई बार जल्दबाजी में खाना खाने से खाना गले में फंस जाता है। जिसके कारण खाना गले में अटक जाता है। इसलिए अच्छे से चबाकर खाना खाना चाहिए।

जल्दी-जल्दी में खाना खाने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम, हार्ट डिजीज, गुड कोलेस्ट्रॉल की कमी और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। (आरएनएस)

इन समस्याओं में नहीं करना चाहिए फूलगोभी का सेवन!

सर्दियों के मौसम में लोग बड़े ही चाव के साथ फूलगोभी की सब्जी का आनंद उठाते हैं। ये सब्जी कई लोगों की फेवरेट भी होती है। इसके अलावा ये आपके शरीर के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाती है। लेकिन थायराइड और हार्ट के मरीजों सहित कुछ लोगों को इसके सेवन से नुकसान भी हो सकते हैं। ऐसे में आपको इसके सेवन से बचना चाहिए।

लोगों को फूलगोभी का स्वाद बेहद पसंद होता है। ये सब्जी कई लोगों की पसंदीदा भी होती है। सर्दियों के मौसम में इस सब्जी के सेवन से आपके शरीर को कई फायदे भी मिलते हैं। लेकिन कई समस्याओं में इस सब्जी का सेवन आपको नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आपको फायदे की जगह नुकसान हो सकता है।

फूलगोभी पोटेशियम से भरपूर होती है। इसका अधिक सेवन करने से आपके शरीर में खून धीरे-धीरे गाढ़ा होने लगता है। अगर आप खून को गाढ़ा करने की दवाइयों का सेवन कर रहें है, तो ऐसे में आपको फूलगोभी के सेवन से बचना चाहिए।

अगर आप पथरी की परेशानी से गुजर रहे हैं तो ऐसे में आपको फूलगोभी का सेवन नहीं करना चाहिए। किडनी या फिर पथरी की समस्या में फूलगोभी का सेवन काफी नुकसानदायक साबित हो सकता है।

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को फूलगोभी के सेवन से बचना चाहिए। इसकी वजह से आपको गैस, एसिडिटी और कब्ज की समस्या हो सकती है। इसके अलावा आपको पेट से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पर सकता है।

अगर आप थायराइड की समस्या से ग्रसित हैं तो ऐसे में फूलगोभी का सेवन आपके लिए बेहद नुकसानदायक साबित हो सकता है। इसकी वजह से टी-3 और टी-4 हार्मोन बढ़ सकते हैं।

फूलगोभी के अत्याधिक सेवन की वजह से आपको पाचन से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पर सकता है। फूलगोभी को पचाना काफी मुश्किल होता है। इस वजह से आपको इसे सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए। आप इसे कच्चा खाने से भी बचें। (आरएनएस)

आपको लंबी जिंदगी देते है ये फूड

मानव जीवन का भोजन से गहरा संबध है। हम क्या खाते हैं इसका हमारे जीवन और सेहत दोनों पर असर होता है। जाहिर सी बात है कि हम बेहतर और पौष्टिक भोजन करेंगे तो हमारा जीवन दीर्घायु होगा जो हमारे निरोग रहने में भी सहायक होगा। पेश है वो छह आहार जो आपके जीवन को निरोग रखने के साथ आपको दीर्घायु भी बनाते है।

हरी सब्जिया: हरी सब्जियों के सेवन से काफी लाभ मिलता है। हरी सब्जियों से वजन नियंत्रित रहता है। डाइट में अलग्रअलग रंग के फल और सब्जियों को शामिल करके आप सेहत संबंधी कई समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। हरी सब्जियों में बीद्यकैरोटीन, वीटामिन्रबी, विटामिन्रसी समेत और भी कई पोषक तत्व अधिक मात्रा में पाए जाते हैं।

बींस: बींस में प्रोटीन व घुलनशील फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है और आवश्यक कई पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत होता है, विशेष रूप से विटामिन्स तथा खनिज का। इसमें प्रचुर मात्रा में पोषक तत्त्व होते हैं जो हृदय के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होते हैं। इसके अलावा बींस में घुलनशील फाइबर भी होते हैं।

प्याज: प्याज एक बेहतरीन सब्जी भी है और एक बेजोड़ औषधि भी है। कई गंभीर बीमारियों के लिए ये रामबाण नुस्खा है। प्याज में केलिसिन और रायबोफ्लेविन (विटामिन बी) पर्याप्त मात्रा में होता है। इसमें 11 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट होता है और इसकी गंध एन्नप्रोपाइल्रडाय सल्फाइड के कारण आती है।

मशरूम: मशरूम में कई ऐसे जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जिनकी शरीर को बहुत आवश्यकता होती है। ये फाइबर का भी एक अच्छा माध्यम है। कई बीमारियों में मशरूम इसका इस्तेमाल दवाई के तौर पर किया जाता है। मशरूम में मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट हमें भंयकर फ्री रेडिकल्स से बचाता है। इसको खाने से शरीर में एंटीवाइरल और अन्य प्रोटीन की मात्रा बढती है, जो कि कोशिकाओं को रिपेयर करता है। बेरी: कलरफुल बेरी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते है। ब्लूबेरी, स्ट्राबेरी, ब्लैकबेरी के सेवन से शरीर को पर्याप्त ऊर्जा मिलती है। बेरी से शरीर को पोषण मिलता है और यह शरीर में सुगर को भी नियंत्रित रखता है।

नट्स और बीज: नट्स और बीज हेल्दी और पौष्टिक होते हैं। इनके सेवन से आप हृदय रोग, मधुमेह, रक्तचाप जैसी गंभीर बीमारियों से बचे रहते हैं। अगर आप वजन घटाने की इच्छा रखते हैं तो इस काम में भी ये आपकी मदद कर सकते हैं। बीज और नट्स नट्स में प्रोटिन और फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जिस कारण यह हमारे शरीर को ऊर्जा देता है और वसा हुआ खाने का सेवन करने से यह फैट को नियंत्रण करता है।

अगर है गैस्ट्रिक, कमर दर्द, गठिया या फिर हार्ट की प्रॉब्लम तो ये योगासन है फ्री इलाज!

अगर आपका पेट ठीक नहीं रहता या फिर आप गैस्ट्रिक जैसी प्रॉब्लम से जूझ रहे हैं तो अब घबराएं नहीं, बल्कि जल्द से जल्द नियमित रूप से पवन मुक्तासन करना शुरु कर दें। इस योगासन से आपको अनेकों फायदें मिलेंगे और आप एक स्वस्थ जीवन जी सकेंगे। इस योगासन की मदद से कई और गंभीर बीमारियों से लड़ने की भी शक्ति मिलती है, जानिए इसके ढेरों फायदे और करने की सही विधि...

पीठ के बल सीधे लेट जाएं। इसके बाद घुटनों को धीरे-धीरे मोड़ें और तलवे को जमीन पर टिकाएं। इतना करने के बाद दोनों हाथों की मदद से घुटनों को ऊपर से पकड़ें और सांस लेते हुए घुटनों को अपने चेस्ट तक ले जाएं। ध्यान रहे इसके बाद आपको 10 से 20 सेकेंड तक अपनी सांस रोक के रखनी होगी और अंत में दोनों हाथों को घुटनों पर से हटाकर धीरे-धीरे सांस छोड़ें और पैरों को नॉर्मल पोजीशन में वापस ले जाएं।

1. पवन मुक्तासन करने वाले लोगों को गैस्टिक की परेशानी से छुटकारा मिलता है, लेकिन इतना ही नहीं इस योगासन की मदद से वजन कम करने में भी मदद मिलती है।

2. पवन मुक्तासन पेट की चर्बी को कम करने के लिए भी काफी लाभदायक बताया जाता है।

3. इसके अलावा अगर आप कमर दर्द, साइटिका और गठिया जैसी बीमारियों से परेशान हैं तो भी आपको नियमित रूप से पवन मुक्तासन जरूर करना चाहिए।

4. यही नहीं ये योगासन हृदय रोग से भी जमकर लड़ता है और दिल के मरीजों के लिए इसे काफी फायदेमंद बताया जाता है।

5. वहीं गर्भवती महिलाओं के लिए भी पवन मुक्तासन लाभकारी बताया जाता है।

आंख के फड़कने को शुभ अशुभ से मत जोड़ो

आंखों का फड़कना, आपके स्वास्थ्य के बारे में बहुत कुछ कहता है। कभीकभी ऐसा कुछ सेकंड्स तक ही होता है तो कभी इसे बंद होने में 12 दिन लग जाते हैं। कुछ देर तक आंखों का फड़कना सामान्य बात है मगर कुछ मामलों में स्थिति गंभीर भी हो सकती है। तो चलिए जानते हैं आंख फड़कने के वैज्ञानिक कारण। आंखों के फड़कने को डॉक्टर्स की भाषा में माइओकिमिया कहा जाता है। इस स्थिति में आंखों की मांसपेशियां सिकुड़ने लगती हैं। जिन्हें विजन संबंधी प्रॉब्लम्स होती हैं, उनकी आंखों पर अधिक जोर पड़ता है। ऐसा नंबर लगने या बढ़ने की स्थिति में होता है। इस वजह से आँख फड़क सकती है। शराब के सेवन से आंखें फड़कने लगती हैं। अगर आपको यह समस्या हो रही है तो कुछ दिन शराब से दूरी बनाकर रखें।

चाय, कॉफी, सॉफ्ट ड्रिंक्स और चॉकलेट आदि में कैफीन मौजूद होता है। इनके अत्यधिक सेवन से भी आंख फड़क सकती है। अगर कुछ दिनों से आंखें फड़क रही हैं तो इनका सेवन कम करके देखें।

तनाव या किसी अन्य वजह से नींद पूरी ना होने की वजह से आंख फड़कने लगती है। इसलिए पूरी नींद लेना बहुत आवश्यक है।

कुछ स्टडीज में सामने आया है कि मैग्नेशियम जैसे कुछ पोषक तत्वों की कमी से आंख फड़कने की स्थिति बन जाती है। जिन लोगों को आंखों से संबंधित एलर्जी है, उन्हें आँखों में खुजली, सूजन और पानी आना जैसी समस्याएं होती हैं। फिर जब वो उन्हें रगड़ते हैं तो पलकें भी फड़कने लगती है। लगातार कंप्यूटर, मोबाइल या टेबलेट आदि की स्क्रीन देखते रहने से भी आंखें फड़कने लगती हैं। इससे बचने के लिए हर 20 मिनट में स्क्रीन से नजरें फिराकर ब्रेक लेने की आदत डालें।

भारत की क्या राय ?

निर्गुट सम्मेलन के बाद जारी घोषणापत्र में जो बातें कही गईं, वे इजराइल-फिलस्तीन के मौजूदा युद्ध के बारे में भारत के रुख से मेल नहीं खातीं। इसमें गजा में इजराइली कार्रवाई की दो टूक निंदा की गई, मगर हमास को कोई जिक्र नहीं किया गया।

शीत युद्ध के दौर में गुटनिरपेक्ष आंदोलन एक महत्त्वपूर्ण आवाज था। लेकिन सोवियत संघ के विखंडन के साथ चूंकि तत्कालीन एक गुट का विलोप हो गया, तो इस आंदोलन ने भी अपनी प्रासंगिकता खो दी। इसके बावजूद इस समूह को इससे जुड़े देशों ने जिंदा रखा और अब जबकि दुनिया फिर से भूमंडलीकरण की उलटी दिशा में चल पड़ी है, तो अचानक इसका शिखर सम्मेलन मीडिया की सुर्खियों में आया। भारत में इसको लेकर और जिज्ञासा पैदा हुई क्योंकि विदेश मंत्री जयशंकर 12० देशों की सदस्यता वाले इस समूह की शिखर बैठक में भाग लेने यूगांडा की राजधानी कंपाला गए। विदेश मंत्री ने सम्मेलन में ग्लोबल साउथ की एकता पर जोर दिया और इस मकसद को हासिल करने में निर्गुट आंदोलन की भूमिका की चर्चा की। बहरहाल, सम्मेलन के बाद जारी घोषणापत्र में जो बातें कही गईं, वे कम-से-कम इजराइल-फिलस्तीन के मौजूदा युद्ध के बारे में भारत के रुख से मेल नहीं खातीं। इसमें गजा में इजराइली कार्रवाई की दो टूक निंदा की गई, मगर हमास को कोई जिक्र नहीं किया गया। आतंकवाद की चर्चा सामान्य रूप में ही हुई और उसका विरोध किया गया। जबकि बीते सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमलों को भारत ने आतंकवाद बताया था और उसकी दो टूक निंदा की थी। घोषणापत्र में गजा में तुरंत युद्धविराम की मांग की गई, जबकि भारत वहां मानवीय आधार पर लड़ाई रोकने की वकालत करता रहा है। कहा जा सकता है कि कंपाला घोषणापत्र में इस समय ग्लोबल साउथ की आम सोच प्रतिबिंबित हुई। चूंकि घोषणापत्र साझा है, इसलिए यह आम अनुमान लगाया जाएगा कि भारत इसमें कही गई बातों से सहमत है। क्या सचमुच ऐसा है? इस बारे में भारतीय विदेश मंत्रालय को अवश्य जानकारी देनी चाहिए। भारतीय विदेश नीति के बारे में स्पष्टता बनाने के लिए यह अवश्यक है। बहरहाल, गौरतलब है कि यूगांडा ने निर्गुट सम्मेलन के तुरंत बाद विकासशील देशों के अन्य समूह ग्रुप-77 की चीन के साथ बैठक आयोजित की। हालांकि नाम ग्रुप-77 है, लेकिन इसमें 135 देश शामिल हैं। इसे संयुक्त राष्ट्र में विकासशील देशों के बीच तालमेल के लिए बनाया गया था। (आरएनएस)

उनका मसला, हमारी समस्या

मौजूदा समय में सिर्फ कनाडा ही नहीं, बल्कि अमेरिका और यूरोपीय देशों में आव्रजन विरोधी भावनाएं मजबूत हो रही हैं। ऐसे में आने वाले समय में दरवाजे और बंद होते जाएंगे, जैसा अभी कनाडा में होता दिख रहा है।

कनाडा ने दो साल के लिए छात्र वीजा की संख्या सीमित करने का एलान किया है। उचित ही उल्लेख किया गया है कि इसका सबसे ज्यादा प्रभाव भारतीय छात्रों पर पड़ेगा। जस्टिन ट्रुडो सरकार के इन कदम के पीछे प्रमुख कारण कनाडा में गंभीर हो गई आवासीय समस्या को बताया है। कनाडा में मकानों की कीमत और किराये में बेहद बढ़ोतरी हुई है, जिससे वहां के बाशिंदों की मुश्किलें बढ़ गई हैँ। वैसे आधिकारिक तौर पर कनाडा ने इस फैसले का कारण देश में शिक्षा के नाम पर फैलती जा रही धोखाधड़ी को बताया है। कहा गया है कि कनाडा में ऐसे संस्थानों की बाढ़ आ गई है, जिनका मकसद विदेशों से छात्र लाकर मोटी फीस वसूलना है, जबकि उनमें निम्नस्तरीय शिक्षा दी जा रही है। यह भी कहा गया है कि इन संस्थानों की वजह से वैसे छात्रों की संख्या बढ़ गई है, जिनका मकसद पढ़ाई नहीं, बल्कि किसी तरह कनाडा में प्रवेश कर जाना है।

तो इस वर्ष कनाडा सरकार लगभग दो लाख कम छात्र वीजा जारी करेगी। पिछले वर्ष पांच लाख 6० हजार ऐसे वीजा दिए गए थे। 2०22 में आठ लाख वीजा दिए गए, जिनमें तीन लाख 29 हजार भारतीय छात्र थे। इस तथ्य की रोशनी में मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि कनाडा के इस फैसले का सबसे बुरा प्रभाव भारतीय छात्रों पर पड़ेगा। लेकिन मुद्दा यह है कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों है? जाहिर है, इसलिए कि भारत में उच्च-स्तरीय शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसरों का अभाव बना हुआ है। ऐसा नहीं होता, तो विकसित देशों में जाने की मजबूरी भारतीय नौजवानों के सामने नहीं होती। मौजूदा समय में सिर्फ कनाडा ही नहीं, बल्कि अमेरिका और यूरोपीय देशों में आव्रजन विरोधी भावनाएं मजबूत हो रही हैं। ऐसे में आने वाले समय में दरवाजे और बंद होते जाएंगे, जैसा अभी कनाडा में होता दिख रहा है। इसलिए दूसरे देशों के ऐसे फैसलों से परेशान होने से बेहतर रणनीति होगी अपने सिस्टम को दुरुस्त करना। लेकिन इस समय देश में ऐसे सवालों पर बहस की गुंजाइशें सिकुड़ी हुई हैं। इसीलिए दूसरों का मसला हमारी समस्या बन जाता है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

क्या आपको भी लगती है ज्यादा ठंड!

सर्दी के मौसम में कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, ना सिर्फ इंफेक्शन बल्कि कई ऐसी बीमारियां होती है जिनका नाम तक शायद आपने नहीं सुना होगा। उन्हीं में से एक है कोल्ड इनटॉलरेंस। जी हां यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर ठंडा पड़ जाता है और आपको बहुत ज्यादा ठंड लगती है। इतना ही नहीं कोल्ड इनटॉलरेंस होने से खून की कमी से लेकर थायराइड की बीमारी भी हो सकती है, आइए आज हम आपको बताते हैं कोल्ड इनटॉलरेंस के बारे में।

क्या होता है कोल्ड इनटॉलरेंस

डॉक्टर्स का मानना है कि अगर किसी इंसान को बहुत ज्यादा ठंड लगती है या कोई व्यक्ति कोल्ड टेंपरेचर के लिए काफी सेंसिटिव होता है, तो इस स्थिति को कोल्ड इनटॉलरेंस कहा जाता है। सिर्फ सर्दी के मौसम में नहीं ऐसे लोगों को कूलर, एसी या हवा के पास बैठने पर भी सर्दी का एहसास होता है और कई बार कोल्ड इनटॉलरेंस लोगों को सीत की समस्या भी होने लगती है।

कब होती है कोल्ड इनटॉलरेंस की समस्या

कोल्ड इनटॉलरेंस की समस्या क्यों होती है? तो एक्सपर्ट्स का मानना है कि हमारी बॉडी का जो टेंपरेचर है वह अलग-अलग सिस्टम से कंट्रोल किया जाता है। दिमाग में मौजूद हाइपोथैलेमस शरीर के तापमान को रेगुलेट करने के लिए थर्मोस्टेट के तौर पर काम करता है। यह दिमाग को मैसेज भेजता है जिसकी मदद से बॉडी में हीट प्रोडक्शन या कोल्ड प्रोडक्शन को कंट्रोल किया जाता है।

कोल्ड इनटॉलरेंस से कैसे बचें

अब बात आती है कि कोल्ड इनटॉलरेंस की समस्या से कैसे बचा जाए, तो इसकेलिए जिन लोगों को बहुत ज्यादा ठंड लगती हैउन्हेंगर्म कपड़े पहनकर ही पूरे समय रहना चाहिए। इतना ही नहीं पूरी बॉडी को वार्मर से कवर करें और उसके ऊपर अपने रेगुलर कपड़े पहनें। अगर आपकी स्किन बहुत ज्यादा सेंसिटिव है तो आप सॉफ्ट वूलन का इस्तेमाल करें, क्योंकि कई बार कोल्ड इनटॉलरेंस की समस्या के कारण शरीर में चकत्ते भी पडने़ लगते हैं।

क्या आपको भी हो जाते हैं बार-बार छाले ?

वैसे तो मुंह में छाले होना एक सामान्य समस्या है, जो कई बार उटपटांग खाने से या पेट की खराबी से हो सकती है। लेकिन अगर आपको बार-बार मुंह में छाले हो जाते हैं और यह गले तक उतर आते हैं तो आपको सावधान हो जाने की जरूरत है, क्योंकि यह मुंह के छाले कुछ गंभीर बीमारियों की ओर इशारा करते हैं, जिसे आपको बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। तो चलिए हम आपको बताते हैं उन पांच गंभीर बीमारियों के बारे में जो मुंह के छालों से संबंधित होती है।

हेलिकोबैक्टर पाइलोरी इन्फेक्शन

एच। पाइलोरी एक जीवाणु है जो पेट और छोटी आंत की परत को संक्रमित कर सकता है, जिससे अल्सर होते है।

गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स (जीईआरडी)

जीईआरडी एक ऐसी स्थिति है जहां पेट का एसिड बार-बार ग्रासनली में वापस चला जाता है, जिससे ग्रासनली की परत में जलन और संभावित अल्सर हो जाता है।

जोलिंगर-एलिसन सिंड्रोम

इस रेयर बीमारी में अग्न्याशय या गैस्ट्रिनोमा का विकास होने लगता है, जिससे पेट में एसिड का प्रोडक्शन बढ़ जाता है। बॉडी में एसिड पेट और छोटी आंत में कई अल्सर का कारण बन सकता है।

कैंसर

कई गंभीर मामलों में, अल्सर पेट या गैस्ट्रिनोमा के कैंसर से जुड़ा हो सकता है। अगर लंबे समय तक जलन और सूजन बनी रहती है, तो ये कैंसर सेल्स को बढ़ा सकती है। आमतौर पर मुंह और गले के कैंसर होने पर होंठ, तालु, मुंह के अंदर, जीभ, टॉन्सिल या गले के पीछे की ओर छाले या कैंसर की गांठे हो जाती है।

एनीमिया

जी हां, जिन लोगों को बार-बार मुंह में छाले होते हैं वह एनीमिक भी हो सकते हैं, क्योंकि विटामिन बी12 की कमी के कारण मुंह में जलन और बार-बार छाले हो जाते है। एनीमिया एक ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर में से खून की मात्रा कम होने लगती है और शरीर में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है।

शब्द सामर्थ्य - 60

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

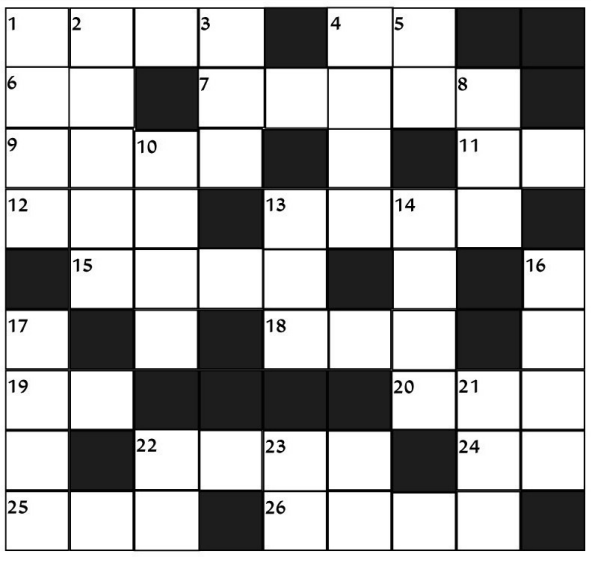

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 59 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

मनोज बाजपेयी की जोरम में दिखेगी बाप की अपनी बेटी को बचाने की कहानी

मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी फिल्म जोरम को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए थे, जिसका अब ट्रेलर भी जारी कर दिया गया है।देवाशीष मखीजा के निर्देशन में बनी यह फिल्म कई फिल्म अंतरराष्ट्रीय महोत्सव में प्रशंसा बटोर चुकी है और जल्द ही सिनेमाघरों का रुख करने के लिए तैयार है।आइए जानते हैं कि एक्शन और थ्रिलर के भरपूर मनोज की इस फिल्म का ट्रेलर कैसा है और यह कब रिलीज होने जा रही है।

जोरम की कहानी एक पिता की है, जो बंदूक का पीछा छोड़ अपनी और अपनी बच्ची की जान बचाने की कोशिश में जुटा हुआ है।ऐसे में वह अपने अतीत और वर्तमान के बीच फंस गया है, जिससे निकलना उसके लिए आसान नहीं है। हालांकि, वह हर तरीका अपनाकर इससे बाहर आना चाहता है। 8 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली इस फिल्म में मनोज के साथ मोहम्मद जीशान अय्यूब, तनिष्ठा चटर्जी और राजश्री देशपांडे शामिल हैं।

मनोज की फिल्म जोरम की स्क्रीनिंग कई अंतराष्ट्रीय और राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में हुई है, जहां इसे काफी पसंद किया गया है।इनमें बुसान फिल्म फेस्टिवल, एडिनबर्ग फिल्म फेस्टिवल, सिडनी फिल्म फेस्टिवल और डरबन फिल्म फेस्टिवल शामिल हैं।डरबन फिल्म फेस्टिवल में तो मनोज को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार भी दिया गया था।इसके अलावा 4 से 7 नवंबर तक हुए धर्मशाला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का समापन भी इसी फिल्म के साथ हुआ था।

अभिनेता ने बताया कि जोरम उनके लिए बेहद खास है। इसमें एक आदिवासी प्रवासी श्रमिक दसरू के किरदार के लिए उन्होंने अपना काफी वजन भी कम किया था।यह फिल्म 8 दिसंबर को रिलीज होने जा रही है, जिस दिन कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की फिल्म मैरी क्रिसमस भी आने वाली थी।हालांकि, मैरी क्रिसमस की रिलीज तारीख आगे बढ़ गई है और ऐसे में दोनों के बीच बॉक्स ऑफिस भिड़ंत नहीं होगी।

मनोज अब फिल्म भैयाजी के साथ बतौर निर्माता अपनी नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं, जिसका निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की करेंगे और अभिनेता की पत्नी शबाना रजा भी इसकी निर्माता होंगी।इसके अलावा मनोज की जी5 पर आई साइलेंस के सीक्वल का ऐलान हो गया है और वेब सीरीज द फैमिली मैन की भी अगली किस्त आने वाली है।अभिनेता की झोली में अभिषेक चौबे की सीरीज सूप और राम रेड्डी की एक फिल्म भी है। (आरएनएस)

विश्वासघात के भूलभुलैया की दुनिया में ले जाएगी सीरीज शहर लखोट

निर्देशक नवदीप सिंह की आगामी क्राइम सीरीज शहर लखोट का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। इसमें प्रियांशु पेनयुली, चंदन रॉय सान्याल और कुब्रा सैत मुख्य भूमिका में हैं।

फिल्म के बारे में बात करते हुए एनएच 10 निर्देशक ने कहा- शहर लखोट एक बहुस्तरीय क्राइम ड्रामा है जो दर्शकों को मानवीय जटिलताओं, रहस्यों, मोड़ और विश्वासघात की भूलभुलैया की दुनिया में ले जाएगी।

उन्होंने आगे कहा, इस सीरीज को लाखोट शहर में रहने वाले दिलचस्प पात्रों के बहुरूपदर्शक लेंस के माध्यम से बताया गया है और कलाकारों के शानदार प्रदर्शन से इसे जीवंत बनाती है।

एक्शन से भरपूर ट्रेलर में अंधेरे और खूनी तत्वों का मिश्रण दिखाया गया है, जो कुछ बहुत ही भयानक परिदृश्यों को बेहद हास्यपूर्ण अंदाज में पेश करता है, जो ब्लैक-कॉमेडी शैली की ओर अपना झुकाव दिखाता है।

ट्रेलर दर्शकों को विश्वासघात, झूठ, रहस्यों और रहस्यों की दुनिया में गहराई तक ले जाता है, जहां जीवन राजनीति, हत्या, ब्लैकमेल, धोखे और रणनीति से प्रेरित एक भयावह और विकृत खेल है। यहां, प्यार एक रोमांटिक कल्पना से कुछ अधिक ही दिखता है।

नवदीप सिंह द्वारा निर्देशित शेखर लखोट में प्रियांशु पेनयुली, चंदन रॉय सान्याल और कुब्रा सैत मुख्य भूमिका में हैं।

इसमें मनु ऋषि चड्ढा, श्रुति मेनन, कश्यप शंगारी, चंदन रॉय, मंजिरी पुपाला, श्रुति जॉली, ज्ञान प्रकाश और अभिलाष थपलियाल जैसे बड़े सहायक कलाकार शामिल हैं। (आरएनएस)

तेजस्वी प्रकाश ने कैमरे के सामने दिए किलर पोज

मशहूर टीवी एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश अक्सर किसी वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। उन्होंने अपने टीवी शोज से ज्यादा सुर्खियां लव लाइफ और क्यूटनेस के कारण बटोरी है। इसके अलावा तेजस्वी अपने लुक्स की वजह से भी काफी चर्चा में रहती हैं। अक्सर वह फैंस के साथ अपनी ग्लैमरस अदाएं दिखाते हुए सोशल मीडिया पर फोटोज शेयर करती रहती हैं। ऐसे में उनके फॉलोअर्स की लिस्ट भी काफी लंबी होती जा रही है, जो उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं। अब फिर से एक्ट्रेस ने फैंस के दिलों की धड?नें तेज कर दी हैं।

लेटेस्ट फोटोशूट में तेजस्वी को डिजाइनर लूज पैंट और ऑफ शोल्डर टॉप पहने हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने इस लुक को मिनिमल मेकअप से कंप्लीट किया है।

एक्ट्रेस ने यहां शाइनी बेस, ग्लॉसी लिप्स और न्यूड ग्लिटरी आई मेकअप रखा है। इसके साथ तेजस्वी ने बालों को वेवी टच देकर ओपन हेयर स्टाइल बनाया है।

तेजस्वी ने अपने इस लुक को फ्लॉन्ट करते हुए कैमरे के सामने एक से एक स्टनिंग पोज दिए हैं। यहां वह हमेशा की तरह बहुत गॉर्जियस और अट्रैक्टिव दिख रही हैं। अब फैंस के बीच उनका ये नया लुक भी काफी वायरल होने लगा है। चाहने वालो ने उनकी तारीफों के पुल के बांधते हुए कई कमेंट्स किए हैं।

दूसरी ओर तेजस्वी के वर्क फ्रंट की बात करें तो बीते वर्ष उन्हें मराठी फिल्म, नागिन 6 और म्यूजिक वीडियोज जैसे कई प्रोजेक्ट्स में देखा गया। हालांकि, इसके बाद से ही एक्ट्रेस ने अपने नए प्रोजेक्ट का ऐलान नहीं किया है। तेजस्वी के चाहने वाले उन्हें फिर से पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं।

थ्रिलर ड्रामा में नजर आएंगी कृतिका कामरा

अभिनेत्री कृतिका कामरा अपनी आगामी थ्रिलर ड्रामा ग्यारह ग्यारह और फॉर योर आइज ओनली को लेकर पूरी तरह? से तैयार हैं। इसको लेकर उन?होंने कहा कि यह उनके लिए एक बड़ा अनुभव है। पिछले साल अभिनेत्री ने बंबई मेरी जान में एक महिला गैंगस्टर की भूमिका निभाकर अपने प्रशंसकों को खुश कर दिया था। अब, वह एक बार फिर सीमाएं लांघने के लिए तैयार हैं।

कृतिका ने कहा, मुझे उन परियोजनाओं को चुनने में अत्यधिक संतुष्टि मिलती है जो उम्मीद से अलग होती हैं, ऐसे प्रोजेक्ट जो मुझे लोगों की अपेक्षाओं के दायरे से कहीं आगे ले जाते हैं। इस वर्ष मैं जिन परियोजनाओं पर काम कर रही हूं, विशेष रूप से थ्रिलर, वे मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखती हैं। अभिनेत्री ने कहा, मैं जिन थ्रिलर्स का हिस्सा बनने जा रही हूं, वे केवल स्क्रिप्ट नहीं हैं। वे गहन अनुभव हैं जो मुझे चरित्र, भावना और रहस्य की बारीकियों का पता लगाने की चुनौती देते हैं।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि उनके करियर का यह आगामी अध्याय केवल प्रदर्शन देने के बारे में नहीं है। उन्होंने कहा, यह कहानी कहने की परिवर्तनकारी शक्ति में खुद को डुबोने के बारे में है। यह सीमाओं को आगे बढ़ाने, अपेक्षाओं को धता बताने और मेरी कला के उन आयामों को उजागर करने के बारे में है जिन्हें शायद मैं भी अभी तक पूरी तरह से उजागर नहीं कर पाई हूं। सिख्या एंटरटेनमेंट और धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा ग्यारह ग्यारह और इसके साथ ही फॉर योर आइज़ ओनली समीक्षकों द्वारा प्रशंसित स्कैम 92 के निर्माताओं की ओर से है।

वरुण धवन की अगली फिल्म में होगा एक्शन का जबरदस्त धमाका

2023 में शाहरुख खान अभिनीत जवान के साथ धमाल मचाने वाले निर्देशक एटली अपनी आगामी फिल्म वीडी18 की तैयारियों में जुट गए हैं।इस फिल्म में निर्देशक वरुण धवन के साथ दर्शकों को एक्शन का डोज देने के लिए लौट रहे हैं।फिल्म के ऐलान के बाद से ही सभी इसे जुड़ी हर जानकारी पर नजर बनाए हुए हैं।अब खबर आ रही है कि वीडी18 में 8 एक्शन निर्देशकों की निगरानी में वरुण खुद स्टंट करेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, वीडी18 के लिए सैंकड़ों बैकग्राउंड डांसर्स के साथ मुंबई में फिल्म के एंट्री वाले गाने की शूटिंग करने के बाद अब अभिनेता फिल्म के एक्शन से भरपूर शेड्यूल की शूटिंग करने के लिए तैयार हैं।वीडी18 से जुड़े करीबी सूत्रों के अनुसार, वरुण मार्च के अंत तक एटली और मुराद खेतानी द्वारा निर्मित इस फिल्म के सभी एक्शन दृश्यों की शूटिंग करेंगे।इसके लिए निर्माता-निर्देशक ने खास तैयारी की है।

सूत्र के अनुसार, वरुण अब फिल्म के एक्शन से भरपूर शूटिंग शेड्यूल के लिए पूरी तैयारी कर रहे हैं। टीम का इरादा 3 महीने में फिल्म के सभी एक्शन दृश्यों को शूट करने का है। एटली और मुराद हमेशा फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ तकनीशियनों के साथ काम करना चाहते थे और उन्होंने इसके लिए 8 एक्शन निर्देशकों को टीम में शामिल किया है।इस शेड्यूल में फिल्म के क्लाइमेक्स की शूटिंग भी की जाएगी।

8 एक्शन निर्देशकों में से 4 भारत से हैं और 4 विदेश से हैं। वरुण, बॉडी डबल की मदद के बिना सभी स्टंट खुद करेंगे।फिल्म की एक्शन टीम में एनल अरसु, अनबरीवु, सुनील रोड्रिग्स, यानिक बेन, कालोयान वोडेनिचरोव, मनोहर वर्मा, पानीर सेल्वम और ब्रॉनविन अक्टूबर जैसे एक्शन निर्देशक शामिल हैं।ये सभी नो टाइम टू डाई, जवान, पठान, केजीएफ, टॉम्ब रेडर, एयरलिफ्ट, सुल्तान, वर्ल्ड वॉर जेड और इंडियन 2 जैसी फिल्मों में अपना कौशल दिखा चुके हैं।

फिल्म इस साल 31 मई, 2024 को रिलीज हो वाली है। इसमें वरुण के साथ कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी और नाना पाटेकर जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं।निर्माता अगले हफ्ते एक वीडियो के साथ फिल्म के शीर्षक का ऐलान करने वाले हैं, जिसके लिए सभी खूब उत्साहित हैं। (आरएनएस)

लोकसभा चुनाव के लिए मुद्दों की तलाश

अजीत द्विवेदी

यह सिर्फ कहने की बात नहीं है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव देश की राजनीति को दिशा देने वाले होंगे और इनसे पता चलेगा कि अगला लोकसभा चुनाव किन मुद्दों पर लड़ा जाएगा। यह आमतौर पर हर चुनाव के बारे में कहा जाता है लेकिन इस बार पांच राज्यों के चुनाव का मामला थोड़ा अलग है। इन पांचों राज्यों में उन सारे दांव-पेंच की परीक्षा होने वाली है, जिनके दम पर लोकसभा का अगला चुनाव लड़ा जाना है। लोकसभा चुनाव में आजमाए जाने वाले तमाम हथियारों को इन चुनावों में धार दिया जा रहा है। चाहे हिंदुत्व के मुद्दे के दम पर ध्रुवीकरण की राजनीति हो या लोक लुभावन वादों के जरिए लोक कल्याण की राजनीति को नया स्वरूप देना हो या जाति की राजनीति के सहारे हिंदुत्व के व्यापक मुद्दे का जवाब देना हो या लूट का पैसा वसूल कर लोगों को लौटाने की रॉबिनहुड मार्का राजनीति का दांव हो, सबकी परीक्षा इस चुनाव में होनी है। इससे पहले किसी चुनाव में इतने व्यापक पैमाने पर राजनीतिक दांव-पेंच नहीं आजमाए गए हैं।

लोक लुभावन घोषणाओं के जरिए आम लोगों को आकर्षित करने की राजनीति का मौजूदा दौर वैसे तो अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में शुरू किया था। कांग्रेस ने जब कर्नाटक में इसमें नई चीजें जोड़ कर इसे आजमाया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे 'मुफ्त की रेवड़ी' कह कर देश को इससे बचाने की जरूरत बताई थी। लेकिन कर्नाटक में कांग्रेस की भारी भरकम जीत के बाद प्रधानमंत्री ने 'मुफ्त की रेवड़ी' का जुमला बोलना बंद कर दिया है। अब भाजपा आगे बढ़ कर इस दांव को आजमा रही है। एक तरफ कांग्रेस, पांच-छह-सात गारंटियों की घोषणा कर रही है तो दूसरी ओर भाजपा भी 'मोदी की गारंटी' के नाम से अपना घोषणापत्र पेश कर रही है, जिसमें महिलाओं को नकद पैसे देने से लेकर रसोई गैस सिलेंडर पर सब्सिडी, ऊंची कीमत पर किसानों की फसल की खरीद, मुफ्त में स्कूटी और लैपटॉप आदि देने के वादे कर रही है। मोदी ने चुनाव प्रचार के बीच ऐलान कर दिया कि सरकार अगले पांच साल तक पांच किलो अनाज फ्री में देगी। दूसरी ओर कांग्रेस भी सारी सीमाएं तोड़ रही है। मुफ्त बिजली, पानी से लेकर मुफ्त की बस यात्रा और नर्सरी कक्षा के बच्चे से लेकर हर वयस्क महिला के खाते में नकद पैसे डालने तक के वादे कर रही है। पांच राज्यों के चुनाव नतीजों में यह देखने वाली बात होगी कि किसकी गारंटी और किसके वादे पर जनता ने ज्यादा भरोसा किया। जिसकी गारंटी को जनता स्वीकार करेगी वह लोकसभा चुनाव में और बढ़-चढ़ कर गारंटी देगा।

हिंदुत्व के सबसे बड़े मुद्दे की परीक्षा भी इन चुनावों में होनी है। पांच राज्यों के चुनाव के बीच अयोध्या में राममंदिर के उद्घाटन की तारीख आई है। राम जन्मभूमि मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री मोदी से मिल कर उनको 22 जनवरी को होने वाले उद्घाटन कार्यक्रम का मुख्य अतिथि बनाया। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ और भाजपा ने 22 जनवरी से पहले 10 दिन तक पूरे देश में राममय माहौल बनाने का ऐलान किया है। इस वजह से बिना कहे भाजपा ने अयोध्या राममंदिर का मुद्दा पांच राज्यों के चुनाव प्रचार के केंद्र में ला दिया है। इसके अलावा हिंदुत्व के और भी मुद्दे आजमाए जा रहे हैं। जैसे तेलंगाना में भाजपा ने अपने घोषणापत्र में कहा कि उसकी सरकार बनी तो वह समान नागरिक संहिता लागू करेगी। गौर करने की बात है कि इस घोषणा से पहले मीडिया में यह खबर आई थी कि जल्दी ही उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता पर विचार के लिए बनाई गई जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की कमेटी अपनी रिपोर्ट देगी और उत्तराखंड सरकार विधानसभा का विशेष सत्र बुला कर इसे कानून बना देगी। इस खबर के बाद तेलंगाना में भाजपा ने इसका वादा किया है।

इसी तरह हिंदुत्व की राजनीति के तहत तेलंगाना में भाजपा ने यह भी वादा किया है कि उसकी सरकार बनी तो वह लोगों को मुफ्त में अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के दर्शन कराने ले जाएगी। यह बात और भी राज्यों में कही गई है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में तो भाजपा के नेता दो कदम और आगे बढ़ गए। मध्य प्रदेश में गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि चुनाव पर पाकिस्तान की नजर है और अगर भाजपा हारी तो पाकिस्तान में खुशियां मनाई जाएंगी। यह बात राजस्थान में विधानसभा चुनाव लड़ रहे महंत बालकनाथ ने कही और बड़े प्रचार के तौर पर राजस्थान भेजे गए रमेश विधूड़ी ने भी कही। वे संसद में एक मुस्लिम सांसद से बदतमीजी करके चर्चा में आए हैं। राजस्थान में एक दर्जी कन्हैयालाल की दो मुस्लिम युवाओं द्वारा हत्या के मामले को भी भाजपा के नेता हाईलाइट कर रहे हैं। नाथ संप्रदाय के महंत बालकनाथ को चुनाव लड़ा कर भाजपा ने यह भी मैसेज बनाया कि राजस्थान में उनको मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। उधर छत्तीसगढ़ में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इकलौते मुस्लिम विधायक के क्षेत्र में जाकर माता कौशल्या की भूमि की पवित्रता की रक्षा करने की अपील की। पहले तो उन्होंने मुस्लिम विधायक पर बड़ी नस्ली टिप्पणी की थी, जिस पर चुनाव आयोग ने उनको नोटिस भी जारी किया है। सो, यह चुनाव हिमंत बिस्वा सरमा, योगी आदित्यनाथ और रमेश विधूड़ी सहित ऐसे कई नेताओं की उपयोगिता की परीक्षा वाला भी है।

इस चुनाव में कांग्रेस और भाजपा दोनों ने जाति गणना का बड़ा मुद्दा बनाया है। कांग्रेस पार्टी की ओर से तो मल्लिकार्जुन खड? और राहुल गांधी दोनों जाति गणना के मुद्दे को सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे के तौर पर पेश कर रहे हैं। राहुल ने हर जगह वादा किया है कि कांग्रेस की सरकार बनते ही जातियों की गिनती कराई जाएगी। उन्होंने कर्नाटक में दिया गया अपना नारा 'जितनी आबादी उतना हक' को बार बार दोहराया है। भाजपा भी इसमें पीछे नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि भाजपा जाति गणना के खिलाफ नहीं है। इसके बाद उन्होंने जाति राजनीति के सबसे बड़े गढ़ यानी बिहार जाकर कहा कि बिहार में जाति गणना का फैसला उस समय हुआ था तब भाजपा भी सरकार का हिस्सा थी। इस तरह उन्होंने जाति गणना का श्रेय लिया। उन्होंने यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी ने 35 फीसदी मंत्री ओबीसी समुदाय के बनाए हैं। उन्होंने कांग्रेस को इस आधार पर कठघरे में खड़ा किया कि भाजपा ने उससे ज्यादा ओबीसी मुख्यमंत्री बनाए हैं। इसके बावजूद जाति गणना और आरक्षण बढ़ा कर पिछड़ी जातियों को अपने साथ जोडने का बड़ा अभियान कांग्रेस ने छेड़ा है। कर्नाटक के बाद पांच राज्यों में इस मुद्दे की परीक्षा होनी है। अगर कांग्रेस को कामयाबी मिलती है तो हिंदुत्व के मुद्दे के बरक्स रामबाण की तरह लोकसभा चुनाव में इसका इस्तेमाल किया जाएगा।

राहुल गांधी के रॉबिनहुड वाली छवि की परीक्षा भी इन चुनावों में होनी है। वे तेलंगाना में बार बार कह रहे हैं कि केसीआर सरकार ने जनता का जितना पैसा लूटा है वह वसूला जाएगा और जनता को लौटाया जाएगा। यह लोकसभा चुनाव के लिए बड़ा मुद्दा हो सकता है। अगर तेलंगाना में कांग्रेस को कामयाबी मिलती है तो लोकसभा चुनाव में इसे आजमाया जाएगा। राहुल लोकसभा चुनाव में ऐलान कर सकते हैं कि 10 साल में चुनिंदा कारोबारियों को जितना पैसा सरकार की ओर से लूटने दिया गया है उनकी वसूली होगी और वह पैसा लोगों को लौटाया जाएगा। लोगों को इस तरह के वादे पसंद आते हैं और बड़े लोगों पर कार्रवाई की बात भी लोगों को आकर्षित करती है।

सू- दोकू क्र.60

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.59 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

देश में सौ से ज्यादा रामायण

अजय दीक्षित

वाल्मीकि रामायण की रचना का निर्धारित समय पता नहीं । पुरातत्त्वविदों के अनुसार वैदिक सभ्यता लगभग 1000 ई.पू. में गंगा के मैदानी क्षेत्रों में पनपी। लेकिन रामायण का विविध रूपों में संस्कृत में लिखित पुनर्कथन 2000 वर्ष पहले हुआ। इस प्रकार, सैकड़ों वर्षों तक इस कथा का मौखिक प्रसारण हुआ होगा। लगभग 1000 वर्ष पहले रामायण का पुनर्कथन क्षेत्रीय भाषाओं में होने लगा। तमिल में कम्बन-रामायण पहला पुनर्कथन था। उसके पश्चात तेलुगु, असमी, बंगाली, कन्नड़, मलयालम, मैथिली और अवधी में पुनर्कथन होते गये। इन पुनर्कथनों के माध्यम से राम भक्ति परम्परा का आदर्श बन गए, और लोग उन्हें भगवान के रूप में पूजने लगे। 20वीं सदी में रामानंद सागर ने रामायण पर लोकप्रिय धारावाहिक बनाया। यह मुख्यतः तुलसीदास की अवधी रामायण (रामचरितमानस) पर आधारित है। ओडिया साहित्य में भी 15वीं और 18वीं सदियों के बीच रामायण के कई पुनर्कथन हुए। आइए, उनमें से कुछ घटनाएं जानते हैं। संभवतः आपने यह कहीं और सुनी नहीं होंगी। ध्यान रहे कि अधिकांश भारतवासी रामायण की कहानी इन क्षेत्रीय पुनर्कथनों को अपनी-अपनी मातृभाषाओं के माध्यम से ही सुनते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि राम भारतीय कला और संस्कृति में व्यापक हैं।

1. शबरी के आम = शबरी के जूठे बेरों की कहानी वाल्मीकि रामायण या तुलसी रामायण में नहीं, बल्कि प्रियदास द्वारा 18वीं सदी में लिखित भक्ति-रस-बोधिनी में पाई जाती है। वैष्णव संतों पर कहानियों का यह संग्रह ब्रजभाषा में लिखा गया था। हे सम्भवतः, इस कहानी का स्रोत उसके 200 वर्ष पहले द्ध ओडिया रामायण की कहानी में मिलता है। उस कहानी के अनुसार, सीता की खोज करते समय, राम एक 1 जनजातीय पुरुष (शबर) और स्त्री (शबरी) से मिले थे। उन्होंने राम के चरणों को धोकर उन्हें एक आम प्रस्तुत किया। हालांकि शबरी के पास के अधिकांश आमों पर दांतों केचिह्न थे। उसने राम को एक सुंदरी आम प्रस्तुत किया, जिस पर कोई चिह्न नहीं था। इस पर राम ने कहा, आपको कैसे पता कि यह आम दूसरे आमों । जितना मीठा है? आपने उसे चखा ही नहीं है। मुझे ऐसा ! आम दें जो आप जानती हैं कि मीठा है। इस प्रकार राम ने जूठा आम खाकर जाति शुद्धता के नियमों को नकारा ।

2. ओडिशा में पुरी के जगन्नाथ मंदिर के साही जत्रा में एक अनोखी छवि देखने मिलती है, जिसमें आठ वानर (अष्ट-मल्ल या आठ योद्धा) एक विशाल पक्षी के पंखों पर बैठें चित्रित हैं। कहते हैं कि यह विशाल पक्षी सम्पाती का पुत्र है। वह हनुमान सहित अन्य वानरों को आकाश में ले गया था, ताकि वे लंका को देख सकें। सम्पाती जटायु के ज्येष्ठ भाई हैं। जटायु को तपती सूर्य की किरणों से बचाते समय सम्पाती के पंख जल गए थे। वे दक्षिणी समुद्र तट पर मृत प्राणियों का मांस खाकर जीते थे। सम्पाती ने देखा कि वानर निराश थे। वे सीता की खोज नहीं कर पाए थे और इसलिए घर लौटने के बजाय भूखा मर जाना चाहते थे। वानरों को राम और जटायु की बात करते हुए सुनकर सम्पाती को कौतूहल हुआ क्योंकि एक ऋषि ने उन्हें बताया था कि यदि वे सीता को ढूंढने में राम की मदद करेंगे तो उनके पंख फिर से उगने लगेंगे। सम्पाती के कहने पर उनका पुत्र वानरों को पंखों पर बिठाकर आकाश में ले गया । वहां से उन्हें लंका दिखाई दी। लेकिन केवल सम्पाती के पुत्र को सीता दिखीं, क्योंकि पक्षियों की दृष्टि वानरों की दृष्टि से तेज होती है। सीता की खोज सम्पाती के पुत्र की मदद से की गई थी, इसलिए सम्पाती के पंख फिर से उगने लगे।

लंका पहुंचने पर राम और सुग्रीव ने सुवाल पर्वत से लंका का निरीक्षण किया। रावण भी राम और उनकी सेना को आंकने के लिए पुष्पक विमान से आकाश में उठा। रावण का सिंहासन सैकड़ों राजसी छतरियों से सजा था। वे भव्य दिख रही थीं। राम ने बाण से छतरियां मार गिराईं। धरती पर गिरकर वे मशरूम बनीं और समुद्र में गिरकर जेलीफिश अर्थात छत्रिक। यह घटना छत्र-कट्टा कहलाई।

बारिश और बर्फबारी के चलते ठंड बढ़ी

रास्तों से बर्फ हटाने और विद्युत आपूर्ति बहाल करने का कार्य जारी

कार्यालय संवाददाता

टिहरी गढ़वाल। जनपद टिहरी गढ़वाल में 31 जनवरी की रात से बारिश और बर्फबारी के चलते ठण्डक बढ़ गई है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में बर्फ से बाधित रास्तों से बर्फ को हटाने और बारिश से बाधित विद्युत आपूर्ति को बहाल करने की कार्यवाही की जा रही है। जिलाधिकारी ने बढ़ती ठण्ड के चलते सभी संबंधित अधिकारियों को सार्वजनिक स्थानों/बाजारों में अलाव जलाने, निराश्रित पशुओं को उनके शेड में रखने, असहाय और बाहर से आने वाले गरीब लोगों को रैन बसेरों में ठहराने तथा रैन बसेरों में ठण्ड से बचाव हेतु पर्याप्त बिस्तर एवं कम्बलों की व्यवस्था करने के निर्देश दिये हैं। सभी एसडीएम और विभागीय अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिये गये हैं। इसके साथ ही बारिश और बर्फबारी के चलते संवेदनशील ग्रामों में राजस्व टीम को भी अलर्ट किया गया है। सभी तहसीलों से बारिश और बर्फबारी को लेकर लगातार अपडेट लिया जा रहा है। खाद्यान की दुकानों एवं गोदामों में पूर्व से ही पर्याप्त खाद्यान्न की व्यवस्था की गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को समस्या अथवा शिकायत दर्ज करानी हो तो वह जिला आपदा कंट्रोल रूम टिहरी के सम्पर्क नम्बर 01376-234793, 233433, 9456533332, 8126268098, 7465509009, 793340807 पर सम्पर्क कर सकते हैं। अधिशासी अभियन्ता विद्युत अमित आनन्द ने बताया कि रात्रि में बारिश से प्रतापनगर के मुखेम क्षेत्र के पास लगभग 35 गांव में विद्युत बाधित हो गई, जिंसमे से 15 गांव में विद्युत सुचारू कर दी गयी है। इसके साथ ही घनसाली-पीपलडाली क्षेत्र में 33केवी लाइन में आई खराबी को भी ठीक कर लिया गया है। थौलधार के कमान्द क्षेत्र में 15 गांव में विद्युत बाधित है, जिसकी सूचारीकरण की कार्यवाही की जा रही है।

गिफ्ट का झांसा देकर ठगे एक लाख 32 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। गिफ्ट का झांसा देकर एक लाख 32 हजार रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तरला अधोईवाला निवासी विकास थापा ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 16 जनवरी 2024 को साढे तीन बजे उसके पास फोन आया (विजय) नाम के व्यक्ति का नोएडा (एयू बैंक) द्वारा उसको बताया गया कि उसको 20,000 रिवाड प्वाइंट मिले है वैलकम गिफ्ट वह एक वह एक एप्प डाउनलोड करे उसमे अपनी पूरी डिटेल भरो। तो उसने जैसे ही डिटेल फाईल करी, उसके डेबिट कार्ड से एक साथ 3 ट्राजेक्शन हुई और उसके खाते से एक लाख 32 हजार रूपये निकल गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बजट में कोई नया कर नहीं, न ही किसी.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

गई है। वित्त मंत्री सीतारमण का कहना है कि बीते 10 सालों में कर संग्रह में तीन गुना की बढ़ोतरी हुई है। जिसे जनहित और विकास योजनाओं पर खर्च किया जा रहा है। सरकार द्वारा कौशल विकास व स्वरोजगार पर जोर देते हुए स्वास्थ्य सेवाओं के स्तर में सुधार का अभियान भी जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई गई है।

सड़क दुर्घटनाओं में तीन की मौत .... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

पुलिस द्वारा घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला गया, बताया जा रहा है कि उक्त घटना में किसी भी व्यक्ति को गंभीर चोटे नहीं आई है। जबकि वाहन क्षतिग्रस्त हो गया है।

सड़क दुर्घटना का तीसरा मामला लच्छीवाला फ्लाई ओवर के समीप हुआ है। यहां आज सुबह लगभग 6 बजे एक पिकअप वाहन जो सरिया के ट्रक ट्रालर के पीछे आ रहा था पीछे से टकरा गया। जिसमें पिकअप चालक अजहर पुत्र अबरार निवासी भागूवाला नजीबाबाद बिजनौर उत्तर प्रदेश उम्र लगभग 21 वर्ष घायल हो गया है सूचना मिलने पर पुलिस ने चालक को 108 के माध्यम से अस्पताल भिजवाया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित किया गया। पुलिस द्वारा मृतक चालक का पंचायतनामा भर कर पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है।

केंद्र का अंतरिम बजट गतिशील एवं विकासोन्मुखीः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केंद्रीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने भारतवासियों के लिए एक गतिशील एवं विकासोन्मुखी बजट पेश किया है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्रीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने भारतवासियों के लिए एक गतिशील एवं विकासोन्मुखी बजट पेश किया है। सीएम ने केंद्रीय मंत्री को बधाई देते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को आर्थिक महाशक्ति के साथ ही विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में यह अंतरिम बजट नई गति प्रदान करेगा। समावेशी विकास के साथ ही यह बजट नए भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, कृषि, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, पर्यटन जैसे विभिन्न क्षेत्रों को नए आयाम प्रदान करेगा, जिसके द्वारा विकसित भारत / 2047 के विजन को सार्थकता मिलेगी। सीएम धामी ने कहा कि इसमें जहां खेती किसानी के

साथ ही पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन पर फोकस किया गया है, वहीं मातृशक्ति को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए लखपति दीदी योजना का लक्ष्य दो करोड़ से बढ़ाकर तीन करोड़ कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतरिम बजट में पर्यटन, उद्योग, हवाई कनेक्टिविटी आदि पर भी खास जोर दिया गया है। इससे उत्तराखंड में पर्यटन विकास को पंख लगेंगे और औद्योगिक निवेश की ग्राउंडिंग में और तेजी आएगी। प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए संकल्पित है। यह अंतरिम बजट इस संकल्प को पूरा करने की दिशा में सहायक बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य के लिए यह अंतरिम बजट महत्वपूर्ण है। वर्ष 2023-24 के संशोधित अनुमान जो आज प्रस्तुत किये गये हैं में केंद्रीय करों में राज्यांश बढ गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में उत्तराखण्ड राज्य के लिए 11419.78 करोड़ रूपये का प्रावधान था, जो कि संशोधित अनुमान में 12348 करोड हो गया है। इस प्रकार लगभग 928 करोड इस वर्ष में अधिक मिलने की संभावना है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 13637 करोड़ हो गया है। यह गत वर्ष के मूल अनुमान से 2217 करोड अधिक है। प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए यह केन्द्र सरकार का महत्वपूर्ण उपहार है।

घर में घुसकर कब्जा करने के मामले में न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। घर में घुसकर कब्जा करने के मामले में न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर रोड निवासी अजय हरी ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसके द्वारा न्यायालय मसूरी से प्राप्त सम्मन के क्रम में न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी पत्रावली का अवलोकन किया गया तो उसपर जांच अधिकारी द्वारा एक तरफा जांच करना एवं उनका मुकदमा दर्ज न करके उसपर सही प्रकार से जांच नही की गयी है एवं गलत धाराओं के तहत आरोप पत्र प्रेषित किया गया है। उसके भाई अमित हरी के द्वारा 08 फरवरी 2022 को एक प्रार्थना पत्र मुकदमा दर्ज करने हेतु दिया गया था। जिसमें यह अवगत कराया गया था कि कुछ अज्ञात लोग उनके परिसर में कब्जा करने हेतु घुसे हुए हैं जिसमें चार महिलाएं व दो पुरुष हैं इनको बहार निकाला जाए यह उनकी सम्पति है व इनमें से कोई इस सम्पति से सम्बन्ध नहीं रखते हैं यह सम्पति उसको न्यायालय से 27 मार्च 2021 के आदेश से हिस्से में मिली है। इसी घटनाक्रम के दौरान जब यह लोग उससे गाली गलोज कर रहे थे और जान से मारने कि धमकी दे रहे थे और जबरदस्ती कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे तब इनमे मुख्य रूप से शालिनी नेगी, पूजा, पूनम और ज्योति आदि थे। उसको इस बात कि जानकारी थी कि उनका मुकदमा दर्ज हो चुका है लेकिन आज जानकारी हुई कि पुलिस के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं कि गयी उल्टा उनके ही परिसर में आने वालों ने उनके ही विरुद्ध गलत धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया। इस घटना कि जानकारी मोके पर उपस्थित अमित हरी, मोना हरी और संजय आदि थे जिन्होंने यह घटना देखी है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विधानसभा सत्रः एडीजी ने दिये सुरक्षा व्यवस्था के कडे इंतेजाम करने के निर्देश

संवाददाता

देहरादून। अपर पुलिस महानिदेशक एपी अंशुमान ने विधानसभा सत्र के दृष्टिगत अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था के कडे इंतेजाम करने के निर्देश दिये।

आज यहां 05 फरवरी 2024 से प्रस्तावित विधानसभा सत्र के दृष्टिगत शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने तथा त्रुटिरहित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु ए.पी. अंशुमान, अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड द्वारा वीडियो कान्फ्रेन्स के माध्यम से परिक्षेत्र, जनपद प्रभारियों एवं मुख्य सुरक्षा अधिकारी विधानसभा के साथ बैठक आहूत की। अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड द्वारा 14 दिसम्बर 2023 को विधान सभा के सुरक्षा ऑडिट के दौरान दिये गये निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन किये जाने के निर्देश दिये गये। कतिपय संगठनों द्वारा विधानसभा सत्र में यूसीसी बिल प्रस्तुत किये जाने के विरोध स्वरुप धरने/प्रदर्शनों किये जाने की सम्भावना के दृष्टिगत संगठनों के चिन्हिकरण की कार्यवाही किये जाने

तथा अपने-अपने जनपदों में पुलिस/अभिसूचना तन्त्र को सर्तक कर समय से आवश्यक पुलिस प्रबन्ध कर अग्रेत्तर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराये जाने हेतु समस्त जनपद प्रभारियों को निर्देश दिये गये। उन्होंने निर्देश दिये हैं कि सत्र के दौरान शान्ति एवं कानून व्यवस्था हेतु जनपदों में उपलब्ध पुलिस/पीएसी बल के अतिरिक्त जनपद देहरादून को उपलब्ध कराये गये पुलिस बल का सदुपयोग किया जाये। साथ ही विधान सभा परिसर में पास धारक व्यक्तियों को ही समुचित चैकिंग/फ्रिसकिंग के उपरान्त प्रवेश की अनुमति दिये जाने, विधानसभा परिसर के अन्दर एवं बाहर व उसके आस-पास बैरिकैटिंग आदि प्रमुख स्थलों पर प्रतिदिन बीडीएस स्क्वाड से चौकिंग कराये जाने तथा पर्याप्त मात्रा में पुलिस/पीएसी बल नियुक्त किये जाने के निर्देश दिये गये। सत्र के दौरान घटित छोटी से छोटी घटना को गम्भीरता से लेते हुए उन पर तत्काल नियमानुसार कार्यवाही किये जाने तथा विधानसभा सत्र के दौरान मांगे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर तत्काल उपलब्ध कराये जाने हेतु अपने-अपने जनपदों में नामित नोडल अधिकारियों को ब्रीफ/निर्देशित किये जाने के निर्देश दिये गये।

बैठक में राजीव स्वरूप, पुलिस महानिरीक्षक, सुरक्षा, उत्तराखण्ड तथा सुश्री पी. रेणुका देवी, पुलिस उप महानिरीक्षक अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

नाले में 3 वर्षीय मासूम का शव मिलने से हड़कंप

उधमसिंहनगर (हसं)। बाजपुर के गांव नरखेड़ा में तीन दिन पूर्व एक मासूम जो अपने घर के आंगन में खेल रहा था अचानक कहीं गायब हो गया। जिसका शव तीन दिन बाद नाले में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मामले में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पड़ताल शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बीती 28 जनवरी को दोपहर के समय गांव नरखेड़ा निवासी अजय कुमार का तीन साल का बेटा घर के आंगन में खेल रहा था। लेकिन इसी बीच वह अचानक से गायब हो गया। काफी खोजबीन करने पर भी बच्चे का कहीं पता नहीं चल सका। जिसके बाद परिजनों ने कोतवाली में गुमशुदगी की तहरीर दर्ज कराई। तहरीर

दर्ज होने के बाद बच्चे की तलाश के लिए कोतवाल नरेश चौहान के नेतृत्व में चार पुलिस टीमें गठित की गई। बुधवार सुबह से पुलिस टीम बच्चे की तलाश कर रही थी। पुलिस ने बच्चे की तलाश के लिए घर के पास ही नाले में खोजबीन शुरू की। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने नाले का पानी निकालकर जेसीबी मशीन से खोजबीन की। इसी दौरान मासूम का शव नाले से ही बरामद हुआ। शव के मिलने के बाद से ही परिजनों में कोहराम मच गया है। घटना के बाद से पूरा गांव शोक में डूब गया है।

वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी मुन्नी खंडूरी का निधन

देहरादून (सं)। वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी श्रीमती मुन्नी खंडूरी के निधन से आंदोलनकारियों ने शोक प्रकट किया। आज वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी श्रीमती मुन्नी खंडूरी एकता विहार निवासी देहरादून का निधन हो गया है। जिन्होंने इस राज्य उत्तराखंड को बनाने के लिए जिनकी बहुत बड़ी भूमिका रही। इस राज्य की उसे मातृत्व शक्ति में बहुत ही कर्मठ व दबंग महिला के रूप में जानी जाती रही है।

वह अचानक निधन होने से पूरे राज्य में शोक की लहर और राज्य आंदोलनकारी में भी शोक की लहर फैली है सभी लोगों ने अचानक निधन होने पर कहा है कि उत्तराखंड को बहुत बड़ी क्षति हुई है कहां है कि मातृत्व शक्ति के रूप में बहुत क्षति पहुंची है जिसमें उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के संरक्षक नवनीत गोसाई, जबर सिंह पावेल, जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार, प्रमिला रावत, क्रांति कुकरेती, व पुष्पा सिलमाना आदि उनके निवास स्थान पर शामिल हुए वहां उन सब ने भगवान से उनको अपने चरणों में स्थान देने की प्रार्थना भी की तथा उनके परिवार को इस क्षति से उबरने की शक्ति प्रदान करने की भगवान से प्रार्थना की।

जब स्वाति मालीवाल को राज्यसभा में दो बार लेनी पड़ी शपथ

नई दिल्ली। आप की नेता और दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल राज्यसभा की सांसद बन गईं हैं। उन्होंने बुधवार को राज्यसभा में शपथ ग्रहण किया। इस दौरान एक गलती के चलते मालीवाल चर्चा में हैं। दरअसल, उन्होंने गलत शपथ पढ़ लिया और श्इंकलाब जिंदाबादश् का नारा लगाया। इसके बाद उन्हें फिर से शपथ लेने का आदेश मिला। पहली बार गलत शपथ पढ़ने के चलते उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उन्हें दोबारा शपथ लेने के लिए कहा। बुध वार को तीन नए सदस्यों (सतनाम सिंह संधू, नारायण दास गुप्ता और स्वाति मालीवाल) ने राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ली। स्वाति मालीवाल ने शपथ लेते समय निर्वाचित सदस्यों के बजाय नामांकित सदस्यों के लिए शपथ पढ़ी। उन्होंने पढ़ा, ष्मैं स्वाति मालीवाल जो राज्यसभा की सदस्या नाम निर्देशित हुई हूं ईश्वर की शपथ लेती हूं कि मैं विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची

श्रद्धा और निष्ठा रखुंगी। मैं भारत की प्रभुता और अखंडता अक्षुण्ण रखुंगी। तथा जिस पद को ग्रहण करने वाली हूं उसके कर्तव्यों का श्रद्धा पूर्वक निर्वहन करूंगी। इतना पढ़ने के बाद उन्होंने नारा लगाया इंकलाब जिंदाबाद। इसपर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वाति से कहा कि आप फिर से शपथ लीजिए। दरअसल, शपथ लेते समय स्वाति ने कहा, मैं स्वाति मालीवाल जो राज्यसभा की सदस्या नाम निर्देशित हुई हूं। इसका मतलब है मैं स्वाति मालीवाल जो राज्यसभा के सदस्य के रूप में मनोनीत हुई हूं। इसे तुरंत संसद के अधिकारियों ने गलती के बारे में बताया। जब वह दोबारा शपथ लेने के लिए वेल में पहुंचीं तो एक अधिकारी ने उन्हें याद दिलाया कि उन्हें केवल वही पढ़ना है जो कागज में लिखा है। इससे यह स्पष्ट हो गया कि शपथ में किसी भी नारे की अनुमति नहीं है।

पार्टी और परिवार बचाने को चुनाव लड़ रहे हैं विपक्षीः धामी

❑प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम ने सभी पांच लोकसभा सीटों के पांच कार्यालयों का किया उद्घाटन

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि भाजपा लगातार तीसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ फिर से केंद्र की सत्ता पर काबिज होने जा रही है। दूर-दूर तक उसके मुकाबले में कोई नहीं है। उनका कहना है कि विपक्षी दल व उनके नेता पार्टी की साख और अपना परिवार बचाने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं चुनाव जीतने के लिए नहीं।

मुख्यमंत्री ने यह बात आज राजधानी दून में टिहरी लोकसभा सीट के लिए चुनावी कार्यालय का उद्घाटन करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में लगातार दूसरी बार उत्तराखंड की सभी पांचो सीटों पर जीत दर्ज की थी तो लोगों को बड़ी हैरानी हुई थी कि यह कैसे हुआ? उन्होंने कहा कि यह सब भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा 2024 के चुनाव में एक बार फिर लोकसभा की सभी सीटों पर जीत की हैट्रिक लगाकर नया इतिहास रचेगी।

उन्होंने कहा कि हम चुनाव जीतने के लिए लड़ते हैं और विपक्षी दल परिवार और पार्टी की प्रतिष्ठा बचाने के लिए चुनाव लड़ते हैं।

इस अवसर पर लोकसभा चुनाव प्रभारी दुष्यंत गौतम ने अन्य चार सीटों के लिए भी वर्चुअली कार्यालयों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, काबीना मंत्री गणेश जोशी, विधायक खजान दास, श्रीमती सविता कपूर, उमेश शर्मा काउ, राम सिंह कैड़ा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

टिहरी विस्थापितों की समस्याओं को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री बैठे धरने पर

संवाददाता

देहरादून। टिहरी विस्थापितों की समस्याओं को लेकर व उनको मालिकाना हक दिलाने के लिए भारी बारिश में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने मौन रखकर धरना दिया।

आज यहां पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भारी बारिश के चलते टिहरी विस्थापितो के साथ गांधी पार्क के बाहर मौन रखकर धरने पर बैठ गये। इस दौरान उनका कहना था कि पिछले 42 साल बीत जाने के बाद भी टिहरी विस्थापितों को न्याय नहीं मिला है। उनका कहना है कि सरकार ने उनको मकान व जमीन तो दी है लेकिन उनको उसका मालिकाना हक नहीं दिया है। वह अपनी जमीनों व मकानों पर बैंक से ऋण नही ले सकते हैं। सरकार ने उनके साथ छलावा किया है। रावत का कहना है कि टिहरी विस्थापितो ने प्रदेश के विकास के लिए अपने वर्षो से बसे बसाये घर व जमीनें सरकार को बांध बनाने के लिए दे दिये लेकिन सरकार ने उनको विस्थापित तो कर दिया लेकिन उनको मालिकाना हक नहीं दिया है। वह अपने मकानों व जमीनों के मालिक नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक टिहरी विस्थापितों को उनका मालिकाना हक नहीं मिल जाता वह संघर्ष करते रहेंगे।। धरने में सहकारी बाजार अध्यक्ष विरेन्द्र पोखरियाल, संजय थापा, आशीष उनियाल, महिपाल शाह, राजेश उनियाल आदि लोग मौजूद थे।

उत्तराखंड में भारी बारिश व बर्फबारी

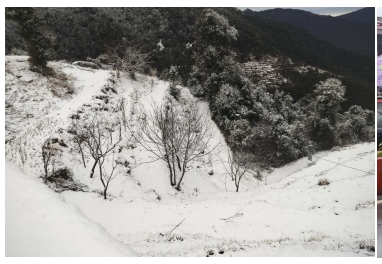

❑सड़के बंद, यातायात प्रभावित ❑किसान, पर्यटक और व्यवसायी खुश

विशेष संवाददाता

देहरादून। पूरे शीतकाल पहाड़ बारिश और बर्फबारी के लिए तरसते रहे लेकिन दिसंबर और जनवरी में न एक बूंद बारिश हुई न बर्फबारी हुई लेकिन फरवरी के पहले ही दिन राज्य में भारी बर्फबारी और बारिश ने आम जनजीवन को जाम कर दिया। बीती रात से राज्य के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी बर्फबारी और बारिश का सिलसिला जारी है वहीं मैदानी हिस्से में बारिश और ओलावृष्टि से तापमान में भारी गिरावट आई है और सड़कों पर बर्फ की मोटी चादर बिछने से आवागमन ठप हो गया है।

बीती रात से चमोली के ऊंचाई वाले हिस्सों में भारी बर्फबारी हो रही है। बद्रीनाथ, हेमकुंड साहिब सहित पूरा क्षेत्र भारी बर्फबारी से सफेद हो गया है। निचले हिस्सों में बारिश होने से सर्दी का प्रकोप बढ़ गया है। उधर उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग जिलों में भारी बर्फबारी का सिलसिला बीती रात से जारी है। गंगोत्री, यमुनोत्री और केदार धाम बर्फ की मोटी चादर से ढक गए हैं। हर्षिल घाटी के सुख्खी ताल और चकराता क्षेत्र में भी भारी बर्फबारी का सिलसिला जारी है। उधर टिहरी तथा पौड़ी में भी बर्फबारी होने से लोगों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। टिहरी में भारी बर्फबारी के कारण रास्तों व सड़कों पर एक फीट तक बर्फ जम जाने से आवागमन बाधित हुआ है। उधर मसूरी और ध नोल्टी में भारी ओलावृष्टि व बर्फबारी होने से आवागमन प्रभावित हुआ है। बागेश्वर और पिथौरागढ़ में ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी से सड़कें बंद हो गई है और मुनस्यारी मार्ग में आवागमन ठप हो गया है। राज्य के कई हिस्सों में बर्फबारी के कारण बिजली और जलापूर्ति भी प्रभावित हुई है।

देहरादून, हरिद्वार तथा नैनीताल और उधम सिंह नगर क्षेत्र में देर रात से ही बारिश हो रही है तथा इस बारिश व बर्फबारी के कारण किसान, व्यवसायी और पर्यटकों के चेहरे खिले हुए हैं लेकिन सर्दी का प्रकोप बढ़ने से आम जनजीवन ठहर गया है।

स्कूटी सवार ने लूटा मोबाइल

देहरादून (सं)। स्कूटी सवार बदमाश मोबाइल लूटकर फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अपर राजीव कालोनी निवासी धनवीर सिंह चौहान ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बलबीर रोड पर फोन पर बात करते हुए जा रहा था तभी एक स्कूटी सवार उसके बगल में आया और उसके हाथ पर झपटा मारकर उसको मोबाइल लूटकर भाग गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।